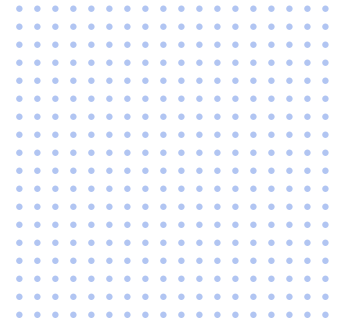




FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2016 Question Paper - Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2016	Question Paper	Hindi Typing	09 Oct 2016
SHIFT				
Shift 2				

Computer Proficiency Certification Test**Notations :**

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name: Remington GAIL 09th Oct 2016 Shift 2
Subject Name: Remington GAIL
Creation Date: 2016-10-09 17:17:03
Duration: 25
Calculator: None
Magnifying Glass Required?: No
Ruler Required?: No
Eraser Required?: No
Scratch Pad Required?: No
Rough Sketch/Notepad Required?: No
Protractor Required?: No

Mock

Group Number : 1
 Group Id : 27911711
 Group Maximum Duration : 10
 Group Minimum Duration : 10
 Revisit allowed for view? : No
 Revisit allowed for edit? : No
 Break time: 1
 Mandatory Break time: Yes
 Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 27911711
 Section Number : 1
 Section type : Typing Test
 Mandatory or Optional: Mandatory
 Number of Questions: 1
 Number of Questions to be attempted: 1
 Section Marks: 0
 Display Number Panel: Yes
 Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
 Sub-Section Id: 27911711
 Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 27911711 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलों में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। एक दिन उसने बारासिंह को शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा। अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	27911712
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	27911712
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	27911712
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 27911712 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

सांस्कृतिक विचार से भारत एक पुरातन देश है, किंतु राजनीतिक विचार से एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में भारत का विकास एक नए सिरे से ब्रिटेन के शासनकाल में, स्वतंत्रता-संग्राम के संग में और राष्ट्रीय स्वाभिमान के नवोन्मेष के सोपान में हुआ। हिंदी भाषा एवं अन्य प्रादेशिक भारतीय भाषाओं ने राष्ट्रीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता-संग्राम के चैतन्य का शंखनाद घर-घर तक पहुंचाया, स्वदेश प्रेम और स्वदेशी भाव की मानसिकता को सांस्कृतिक और राजनीतिक आयाम दिया, नवयुग के नवजागरण को राष्ट्रीय अस्मिता, राष्ट्रीय अभिव्यक्ति और राष्ट्रीय स्वशासन के साथ अंतरंग और अविच्छिन्न रूप से जोड़ दिया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की महान भूमिका रही है। वे भाषाएँ भारतीय स्वाधीनता के अभियान और आंदोलन को व्यापक जनाधार देते हुए लोकतंत्र की इस आधारभूत अवधारणा को संपुष्ट करती रहीं कि जब आजादी आएगी तो लोक-व्यवहार और राजकाज में भारतीय भाषाओं का प्रयोग होगा। आजादी आई और हमने संविधान बनाने का उपक्रम शुरू किया। संविधान का प्रारूप अंग्रेजी में बना, संविधान की बहस अधिकांशतः अंग्रेजी में हुई। यहां तक कि हिंदी के अधिकांश पक्षधर भी अंग्रेजी भाषा में ही बोले। यह बहस 12 सितंबर, 1949 को 4 बजे दोपहर में शुरू हुई और 14 सितंबर, 1949 के दिन समाप्त हुई। प्रारंभ में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अंग्रेजी में ही एक संक्षिप्त भाषण दिया। उन्होंने कहा कि भाषा के विषय में आवेश उत्पन्न करने या भावनाओं को उत्तेजित करने के लिए कोई अपील नहीं होनी चाहिए और भाषा के प्रश्न पर संविधान सभा का विनिश्चय समूचे देश को मान्य होना चाहिए। उन्होंने बताया कि भाषा संबंधी अनुच्छेदों पर लगभग तीन सौ या उससे भी अधिक संशोधन प्रस्तुत हुए। 14 सितंबर की शाम बहस के समापन के बाद जब भाषा संबंधी संविधान का तत्कालीन भाग 14 क और वर्तमान भाग 17, संविधान का भाग बन गया तब डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने भाषण में बधाई के कुछ शब्द कहे। वे शब्द आज भी प्रतिध्वनित होते हैं। उन्होंने तब कहा था, 'आज पहली ही बार ऐसा संविधान बना है जब कि हमने अपने संविधान में एक भाषा रखी है, जो संघ के प्रशासन की भाषा होगी।' उन्होंने कहा, 'इस अपूर्व अध्याय का देश के निर्माण पर बहुत प्रभाव पड़ेगा।' उन्होंने इस बात पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि संविधान सभा ने अत्यधिक बहुमत से भाषा-विषयक प्रावधानों को स्वीकार किया। अपने वक्तव्य के उपसंहार में उन्होंने जो कहा वह अविस्मरणीय है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

